दैनिक भास्कर, 3 अगस्त, 2018

तीन छात्रों का वर्चुअल रियलिटी प्रोग्राम में चयन

पिलानी | बिट्स पिलानी के तीन छात्रों का वर्चुअल रियलिटी प्रोग्राम के अंतर्गत स्कूल ऑफ इनोवेशन इंडिया में चयन हुआ है। बिट्स मीडिया प्रभारी गिरधर एम कुनकुर ने बताया कि फेसबुक इंडिया व स्टार्टअप विलेज कलेक्टिव द्वारा संचालित वर्चुअल रियलिटी प्रोग्राम के अंतर्गत स्कूल ऑफ इनोवेशन इंडिया में बिट्स के मयंक भूटानी व कौस्तुभ गुप्ता की टीम वीआर ब्रोस एवं उत्कर्ष त्रिपाठी की टीम होलोसाइट का चयन हुआ है। इन टीमों को एक अगस्त 2018 से 31 जनवरी 2019 चलने वाले कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर मिला है। देश के संस्थानों की 10 छात्रों की टीमों का चयन हुआ है। 1151 आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से केवल 20 टीमों का अंतिम चरण के लिए चयन हुआ था। चयनित टीम के छात्र नवंबर में बैंगलोर में मिड-डे-डेमो कार्यक्रम में अपने उत्पाद का प्रदर्शन करेंगे।

सीमा सन्देश, 3 अगस्त, 2018

बिट्स के छात्रों का स्कूल ऑफ इनोवेशन इंडिया में चयन

पिलानी। बिट्स पिलानी परिसर की दो टीमें 'वी.आर ब्रोस' और 'होलोसाइट' के छात्र मयंक भूटानी और कौस्तुभ गुप्ता (वी.आर ब्रोस टीम) और उत्कर्ष त्रिपाठी (होलोसाइट टीम) का चयन वर्चुअल रियलटी प्रोग्राम के अर्न्तगत स्कूल ऑफइन्नोवेषन इंडिया में किया गया है जिसका संचालन फेसबुक इंडिया और स्टार्टअप विलेज कलेक्टीव द्वारा किया गया । इन टीमों को छह महीने के कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर मिला है जो 1 अगस्त, 2018 से लेकर 31 जनवरी, 2019 तक चलेगा । वर्चुअल रियलिटी प्रोग्राम स्कूल ऑफइनोवेशन के तहत पहला कार्यक्रम है जो वर्चुअल रियलिटी पर उभरते प्रौद्योगिकी क्षेत्र के रूप में केंद्रित है । भारत की विभिन्न प्रसिद्ध शैक्षिणिक संस्थाओं की 10 छात्र टीमों को वर्चुअल रियलिटी उत्पाद विचार के निर्माण के लिए चुना जाता है। 1151 आवेदन प्राप्त हुए और सभी टीमों को कार्यक्रम में चयन करने

Utkarsh Tripathi | Mayank Bhutani and Koustubh

के लिए यूनिटी कोडिंग कार्य में भाग लेगें । यूनिटी कोडिंग टास्क में, आवेदकों को कार ड्राइविंग अनुभव के साथ एक खेल बनाना पड़ा जिसमें केवल 102 टीमें समय पर खेल को सफ्लतापूर्वक करने में सक्षम रही । निर्णय लेने वाले पैनल ने 102 टीमों में से शीर्ष 20 टीमों को चुना। शॉर्टलिस्टेड टीमों को उनके कोडिंग कार्य और वर्चुअल रियलिटी में पिछले अनुभव के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जजिंग पैनल द्वारा साक्षात्कार दिया गया जिसमें उन 20 टीमों से, कार्यक्रम के लिए अंतिम शीर्ष में 10 टीमों का चयन किया गया तथा वे सलाहकारों के सामने अपने उत्पाद का डेमो देने के लिए बैंगलोर 'मिड-डे-डेमो डे' प्रोग्राम में भाग लेने नवम्बर माह में जाएंगे जिसका अंतीम चरण जनवरी 2019 में होगा । स्टार्टअप विलेज कलेक्टीव एक ऑनलाइन शिक्षण मंच है जो विशेष रूप से छात्रों को सॉफ्टवेयर विकास में चुनौतीपूर्ण नौकरियों के लिए विकसीत करती है । इसे सक्षम और बनाने के लिए, छात्रों को चरण-दर-चरण निर्देशित किया जाता है । इस कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से एक विकसित और सफ ल सॉफ्टवेयर बनाना सीखते हैं तथा अनुभवी सॉफ्टवेयर इंजीनियर्स द्वारा प्रत्येक छात्र को सॉफ्टवेयर डेवल्प का प्रशिक्षण देकर उनका कौशल और अनुभव बढ़ाया जाता है। स्कूल ऑफ इनोवेशन इंडिया का उद्देश्य उभरती हुई प्रौद्योगिकियों में छात्रों के भविष्य की प्रतिभा को बढ़ावा देना और महत्वाकांक्षी छात्रों के लिए भारत में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियां लाने का लक्ष्य है। यह छात्रों को नई तकनीकी प्रौद्योगिकियों के साथ काम करने में मदद करेगा, संस्था में अध्ययन के दौरान उत्पादों का निर्माण कैसे करें और उद्योग के मार्गदर्शन में जानकारी प्रदान करेगा।

राजस्थान पत्रिका, 3 अगस्त, 2018

बिट्स विद्यार्थियों चयन

पिलानी. बिट्स पिलानी के विद्यार्थियों का स्कूल ऑफ इनोवेशन में चयन हुआ है। मीडिया प्रभारी ने बताया वर्चुअल रियलिटी प्रोग्राम स्कूल ऑफ इनोवेशन के तहत वर्चुअल रियलिटि पर उभरते प्रौद्योगिकी क्षेत्र के रूप में केन्द्रीत है। भारत की विभिन्न प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थाओं के दस विद्यार्थियों की टीम को वर्चुअल रियलिटि उत्पाद विचार निर्माण के लिए चुना जाता है। बिट्स की टीम वीआर ब्रोस तथा होलोसाइट टीमों के छात्र मयंक भूटानी, कौस्तुभ गुप्ता तथा उत्कृर्ष त्रिपाठी का चयन हुआ है। चयनित टीमों को छह माह मे कार्यक्रम में भाग लेने का मौका मिलेगा। स्टार्टअप विलेज कलक्टीव एक ऑनलाइन शिक्षण मंच है। विशेष रूप से सॉफ्टवेयर विकास में चुनौतिपूर्ण नौकरियों के लिए विकसित करता है।